https://uphindinews.in/2022/04/02/a-brief-about-the-mega-international-summit-on-competitiveness-and-growth-of-msmes/

एमएसएमई की प्रतस्पिर्धात्मकता और वकिास पर मेगा अंतरराष्ट्रीय शखिर सम्मेलन के बारे में एक संक्षप्ति जानकारी

यह शखिर सम्मेलन 'एमएसएमई कम्पीटटिविनेस एंड ग्रोथ' की थीम पर आयोजति कयिा गया।

लखनऊ- बिजनेस डेस्क। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) और भारतीय उद्यमति वकिास संस्थान (ईडीआईआई) द्वारा आयोजति दो दविसीय मेगा अंतरराष्ट्रीय शखिर सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय एमएसएमई मंत्री नारायण राणे ने कयिा। यह शखिर सम्मेलन 'एमएसएमई कम्पीटटिविनेस एंड ग्रोथ' की थीम पर आयोजति कयिा गया।

शखिर सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर श्री भानु प्रताप सहि वर्मा, राज्य मंत्री, एमएसएमई वशिष्टि अतथि के तौर पर शामलि हुए। दो दविसीय शखिर सम्मेलन में एमएसएमई के वकिास की

संभावनाओं और उनके समक्ष मौजूद चुनौतियों पर विचार-मंथन सत्रों और पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। भारत, सिंगापुर, पेरू, लाओ पीडीआर, रवांडा, म्यांमार, रूस, उज्बेकिस्तान, स्पेन और ईरान के वक्ताओं और विशेषज्ञों ने शिखर सम्मेलन में अपने अनुभव साझा किए।

शिखर सम्मेलन में पहुंचे उद्यमी

इस शिखर सम्मेलन में दुनिया भर के उद्यमियों, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के अग्रणी लोगों, विचारकों, व्यापार मंडलों, उद्योग संघों, स्टार्टअप्स, सामाजिक प्रभाव संगठनों, एमएसएमई और स्वयं सहायता समूहों ने भाग लिया। शिखर सम्मेलन के दौरान, विशेषज्ञों ने कोविड-19 महामारी के कारण एमएसएमई क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया। साथ ही, एमएसमएई के विकास को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाने और अनुकूल नीतियों का निर्माण करने तथा एमएसएमई क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का माहौल तैयार करने, इनोवेशन और टैक्नोलॉजी का लाभ उठाने, एमएसएमई की दुनिया में डिजिटिल परिवर्तन, उद्यमिता से संबंधित उभरते अवसरों और वंचित समुदायों की उद्यमिता के इर्द-गिर्द चर्चा हुई।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर जोर

शिखर सम्मेलन ने समग्र रूप से देश के विकास और आर्थिक विकास में एमएसएमई की भूमिका को को रेखांकित किया गया। बेहतर तरीके से विकसित एमएसएमई क्षेत्र के लिए जिम्मेदार कारकों में शामिल हैं- विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर जोर, नीति निर्माण और एमएसएमई के व्यापक स्पेक्ट्रम की समझ जिसमें संगठित क्षेत्र में उच्च तकनीक वाले उद्यम शामिल हैं। शिखर सम्मेलन के दौरान पूरे देश में एमएसएमई की महत्वपूर्ण जरूरतों और उनसे जुड़ी चिंताओं पर भी रोशनी डाली गई। इनमें सस्टेनेबल इन्फ्रास्ट्रक्चर, व्यापार के लिए सहयोगी और सामूहिक दृष्टिकोण, व्यवसाय विकास सेवा, वित्त, प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण, उत्पाद विविधीकरण, विपणन और ब्रांडिंग, कुशल श्रम और सरलीकृत नियामक तंत्र जैसे मुद्दे प्रमुख रूप से उजागर किए गए।